हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 44 देहरादून, शनिवार, 03 अगस्त, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 8

पंचायतों को मिला 201 करोड़, महाराज ने आभार जताया

3

प्रत्येक विकासखण्ड में बनेंगे 5 आदर्श ग्राम : मुख्यमंत्री

ग्राम चौपालों के आयोजन में उच्चाधिकारी भी हों शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 अगस्त , गांवों के सुनियोजित विकास के लिए प्रत्येक विकासखण्ड में 5-5 गांवों को आदर्श ग्राम बनाने की दिशा में कार्य किये जाएं। देश के शीर्ष 100 आदर्श गांवों की श्रेणी में उत्तराखण्ड के 10 गांवों के नाम भी शामिल हों, इसके लिए गावों के समग्र विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किये जाएं। ग्राम चौपाल के आयोजन में शासन के वरिष्ठ अधिकारियों और जनपदों में जिलाधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जाए तथा ग्राम पंचायतों के प्रबुद्धजनों के साथ बैठकर गांवों की विकास योजनाओं पर कार्य किया जाए। ग्राम सभाओं के स्थापना दिवस उत्सव के रूप में मनाये जाए, इनमें उन गांवों के प्रवासी लोगों को प्रतिभाग करने के लिए विशेष रूप से प्रतिभागी बनाया जाए। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में पंचायतीराज विभाग की समीक्षा के दौरान कही।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि मानक तय कर पंचायत भवनों का निर्माण किया जाए। ग्राम पंचायतों में जो भी पंचायत भवन बनाये जा रहे हैं, वे पर्वतीय शैली में बनाये जाय, जिसमें उत्तराखण्ड की विरासत की झलक हो। पंचायत भवनों के लिए उचित स्थलों का चयन किया जाए, ताकि उनका ग्राम पंचायतों में पूर्णतः उपयोग हो सके। पंचायत भवनों के निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत की जा रही 10 लाख की धनराशि को बढ़ाकर 20 लाख रूपये करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये।

■ पंचायत भवनों के निर्माण राशि बढ़ाकर हुयी 20 लाख

■ पर्वतीय शैली के आधार पर हो पंचायत भवनों का निर्माण

गांवों में सड़क निर्माण के समय नालियां भी बनाई जाय, ताकि जल निकासी की समस्या न हो। ग्राम पंचायतों में ओपन जिम और पार्कों की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सेना और अर्द्धसैन्य बलों के शहीदों के नाम पर उनके गांवों में द्वार, स्कूल और पंचायत भवनों के नाम रखे जाएं और गांवों में शिलापटों पर शहीदों के नाम अंकित करने की व्यवस्था बनाई जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि गांवों के विकास के लिए 15वें वित्त आयोग से राज्य को प्राप्त धनराशि का योजनाबद्ध तरीके से उपयोग किया जाए। स्वच्छता, कूड़ा निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि गांवों के विकास के लिए जो भी योजनाएं बनाई जाए, धरातल पर पहले उसका आंकलन किया जाए। सभी ग्राम पंचायतों में कम्प्यूटर और हाई स्पीड इन्टरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था की जाए।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि गांवों के विकास के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा दिया जाए। ग्राम पंचायतों में हो रहे कार्यों की वरिष्ठ अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने सभी पंचायतों की परिसम्पतियों की जी.आई.एस मैपिंग करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मल्टी-लेवल पार्किंग के निर्माण से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि उनका उचित इस्तेमाल और देख-रेख हो। उन्होंने कहा कि 15वें वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि से गांवों के विकास के लिए निर्धारित मानकों के हिसाब से तेजी से कार्य किये जाएं। बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव पंचायतीराज चन्द्रेश यादव, अपर सचिव आलोक कुमार पाण्डेय, निदेशक पंचायतीराज निधि यादव, निदेशक सेतु डॉ. मनोज पंत उपस्थित थे।

हर समय अलर्ट मोड में रहें अफसर : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदेश में आपदाग्रस्त क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्यों का निरन्तर अनुश्रवण किया जा रहा है।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने सचिव गृह शैलेश बगोली, पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार एवं आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय को बुलाकर सचिवालय में उनसे प्रदेश में आपदा की स्थिति तथा राहत एवं बचाव कार्यों की अद्यतन जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने केदारनाथ में फंसे यात्रियों की सकुशल वापसी की व्यवस्था के साथ केदारनाथ पैदल मार्ग से आवाजाही भी सुनिश्चित कराने को कहा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये हैं कि अतिवृष्टि के कारण सड़के बाधित होने की स्थिति में उनको सुचारू करने में कम से कम समय लिया जाए।

उन्होंने पुल टूटने पर बैली ब्रिज बनाकर जल्द से जल्द आवागमन को सुचारू किए जाने के भी निर्देश दिए, कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि लोगों को पेयजल और विद्युत की सूचारू आपूर्ति हो।

मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं रखने के भी निर्देश दिये हैं। यात्रा मार्ग में अतिवृष्टि के कारण यदि कहीं पर मार्ग बाधित होते हैं या आगे कोई खतरा प्रतीत होता है तो यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक लिया जाए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों सहित सभी संबंधित अधिकारियों को आपदा के दृष्टिगत हर समय अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिये हैं।

बदरीनाथ हाईवे बार-बार होता रहा बाधित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली। चमोली जिले में सड़कें बाधित होने से ग्रामीण इलाकों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति समय पर नहीं होने से लोग खासे परेशान हैं। शुक्रवार को चमोली जिले मे 47 सडकें अवरुद्ध रहीं। जिनमें से अधिकांश ऐसी सडकें हैं। जो गांवों की लाइफ लाइन समझी जाती हैं। ग्रामीण सडकें बाधित होने से प्रभावित क्षेत्रों का जिले के अन्य हिस्सों से सड़क सम्पर्क अलग-थलग हो गया है।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नन्दकिशोर जोशी ने बताया जिला अधिकारी के निर्देश पर जिले की सभी बाधित सड़कों को खोले जाने और सुचारू करने का कार्य जारी है। शुक्रवार को बदरीनाथ हाइवे कमेड़ा, नन्दप्रयाग समेत अलग-अलग स्थानों पर पहाड़ी से आये मलबे के कारण अवरुद्ध रहा। कमेड़ा में शुक्रवार सुबह 7 बजे हाइवे पर मलबा आने से सड़क दलदल में तब्दील हुई। सड़क निर्माण में लगी ऐजेसिंयो और प्रशासन की ओर से निर्धारित विभागों की मशीनों से सड़क को 8 बजे के लगभग सुचारू की गई। आधे घंटे बाद फिर पहाड़ी से मलबा आने के कारण हाइवे 9.30 तक बाधित रहा। मशीनों मे मलबा हटाकर 9.45 पर यहां पर अवरुद्ध हाइवे को वाहनों के लिए सुचारू किया। बदरीनाथ हाइवे नन्दप्रयाग में भी सड़क पर मलबा, बोल्डर आने से वाहनों का आवागमन 2.30 तक बाधित रहा। 10 बजे यहां पर अवरुद्ध यातायात सुचारू किया गया। चमोली जिले में शुक्रवार को जो 47 सड़कें बाधित रहीं। उनमें सबसे अधिक पीएमजीएसवाई की 18 सड़कें शामिल रही। निर्माण खंड पोखरी, गैरसैण और थराली की 16 सड़कें बाधित रहीं। ग्रामीण सड़कें बाधित होने से गांवों में कुकिंग गैस सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। निजमूला गौणा सड़क 25 जुलाई से अवरुद्ध है। क्षेत्र के दीवान सिंह, बचन सिंह महेंद्र सिंह, लक्ष्मी देवी ने बताया सड़क सुचारू नहीं होने से क्षेत्र में कुकिंग गैस और आवश्यक वस्तुओं का अभाव हो गया है। सामाजिक कार्यकर्ता सुरेन्द्र सिंह रावत ने बताया मैठाणा पलेठी सड़क पर मलबा आने से सड़क पिछले कई दिनों से बाधित है।

ये है भारत का पहला हिल स्टेशन, 200 साल पहले अंग्रेजों ने बसाया था

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 अगस्त : क्या आपको पता है कि भारत का पहला हिल स्टेशन कौन-सा है और इस हिल स्टेशन को किसने खोजा था. इस हिल स्टेशन को विकसित हुए 200 साल हो गए हैं और उससे पहले यह जगह लोगों की नजरों से दूर थी और यहां कोई बसावट नहीं थी. यह हिल स्टेशन उत्तराखंड में है. इस हिल स्टेशन की सुंदरता टूरिस्टों को मंत्रमुग्ध कर देती है. इस हिल स्टेशन की सैर के लिए दुनियाभर से टूरिस्ट आते हैं. इस हिल स्टेशन को इसकी सुंदरता के कारण पहाड़ों की रानी कहा जाता है. यह हिल स्टेशन मसूरी है, और किसी जमाने में यहां भारतीयों को एंट्री तक नहीं दी जाती थी।

मसूरी हिल स्टेशन की स्थापना 1823 में हुई थी. अंग्रेजों ने 1820 में मसूरी में जमीन खरीदी और इसे हिल स्टेशन के तौर पर विकसित किया और यहां भारतीयों के चलने पर भी पाबंदी लगा दी. मसूरी हिल स्टेशन की स्थापना का श्रेय कैप्टन यंग को जाता है, जिन्होंने यहां एक छोटी-सी झोपड़ी बनाई थी. कुछ वक्त तक इस झोपड़ी में रहने के बाद उन्होंने मसूरी में अपना घर बनवाया. मसूरी समुद्र तल से 6758 फीट की ऊंचाई पर है. मसूरी में आप कई जगहों की सैर कर सकते हैं. टूरिस्ट यहां लाल टिब्बा, मीस्टो वॉटरफॉल, केम्प्टी फॉल्स, गन हिल, लाखा मंडल, हैप्पी वॉल, मोसी फॉल और धनोल्टी की सैर कर सकते हैं।

मसूरी जाने वाले टूरिस्ट लंढौर जरूर घूमते हैं क्योंकि यह छोटा-सा हिल स्टेशन बेहद सुंदर है. लंढौर हिल स्टेशन देवदार और चीड़ के घने जंगलों के बीच बसा हुआ है. प्रकृति प्रेमियों और नेचर को करीब से देखने के इच्छुक सैलानियों के लिए यह जगह घूमने के लिए एकदम परफेक्ट है. यहां का मौसम हर वक्त बेहद सुहाना रहता है और सैलानियों के घूमने के लिए आसपास कई जगहें हैं. यहां से सैलानी हिमालय की ऊंची-ऊंची पहाड़ियों को निहार सकते हैं. सैलानी लंढौर में लाल टिब्बा घूम सकते हैं. यह यहां का प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है जो समुद्र तल से 8 हजार मीटर की ऊंचाई पर बसा हुआ है. लाल टिब्बा से आप आसपास की पहाड़ियों की खूबसूरती को निहार सकते हैं. सूर्योदय और सूर्यास्त के समय का नजारा यहां से देखने लायक होता है.

मानसून में यहां जमीन पर उतर आते हैं बादल खूबसूरती देख रह जाएंगे हक्के बक्के

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 03 जुलाई : बारिश के मौसम में घूमने का मज़ा ही कुछ और है चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नज़र आती है। हालांकि, दिल्ली नोएडा में अब भी बरसात नहीं हो रही है जिस वजह से लोगों को चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। घर में रहो तो ठीक है लेकिन बाहर निकलो तो पूरा शरीर पसीने से भीग जाता है। तो, ऐसे में अगर आप दिल्ली की गर्मी से परेशान हो चुके हैं और ठंडी ठंडी हवा का लुत्फ़ उठाना चाहते हैं तो उत्तराखंड के इस खूबसूरत हिल स्टेशन ज़रूर जाएं। हम जिस हिडेन प्लेस की बता कर रहे हैं वहां ज़मीन पर भी बादल तैरते नज़र आते हैं। बता दें ये जगह पहाड़ों की रानी मसूरी में है। वैसे तो यह जगह काफी पॉपुलर है लेकिन इस सीज़न में लोग यहां कम ही जाते हैं। चलिए, जानते हैं बादल देखने के लिए मानसून के इस सीज़न में मसूरी में कहां जाएं।

इस मौसम में अगर आपको पहाड़ों पर घूमने का मन है तो आप पहाड़ों की रानी मसूरी ज़रूर जाएं। मसूरी की खूबसूरती इस समय अपने चरम पर होती है। खासकर, अगर आपको बादल देखने का शौक है तो आप मसूरी स्थित एक आकर्षक छावनी वाले शहर लंढौर में पहुंच जाएं। अगर, आप इस मौसम में यहां जाते हैं तो वहां से लौटने का मन नहीं करेगा। पहाड़ों के चारों तरफ छायी हरियाली और उड़ते बादल देखकर ऐसा लगेगा मानों आप स्वर्ग में आ गए हैं।बारिश का मौसम लंढौर की खूबसूरती में चार चांद लगा देता है। यह मौसम पूरा फॉगी होता है। चारों तरफ धुंध नज़र आएगी। खासकर, सुबह और शाम के समय यहां बादल ज़मीन से लेकर आसमानों में तैरने लगते हैं। अगर, आप फोटो लवर नहीं हैं तब भी यहां जाकर आपके अंदर का फोटोग्राफर जाग जाएगा और आप तस्वीरें क्लिक किए बिना नहीं रह पाएंगे। यहां आकर आप हरे-भरे रास्तों के बीच ट्रैकिंग और हाइकिंग कर सकते हैं। गर्म चाय या कॉफी की चुस्की का आनंद उठाते हुए आप बादलों के खूबसूरती को निहार सकते हैं। अगर, आपको पढ़ना लिखना पसंद है तो किसी कॉटेज या रिसॉर्ट में एक पसंदीदा किताब के साथ आराम फरमाएं। अगर आपको तस्वीरें खींचने का शौक है तो आप धुंध भरे पहाड़ों और घाटियों की शानदार तस्वीरें खींचे। शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर प्रकृति की खूबसूरती का लुत्फ़ उठाएं।

ज्यादा स्मार्टफोन चलाने से उंगलियों में हो सकती है बीमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 अगस्त : चीन के बाद भारत दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन के उपभोक्ताओं वाला देश है। 2022 में भारत में सबसे ज्यादा 16.9 करोड़ स्मार्टफोन की बिक्री हुई है। वहीं, भारत में स्मार्टफोन यूजर्स की संख्या 439 मिलियन है और ये संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में स्मार्टफोन से होने वाली दिक्कतों के कई मामले भी सामने आ रहे हैं। इसमें से सबसे ज्यादा आम हो रही प्रॉब्लम है 'स्मार्टफोन फिंगर' जिसे पहले ब्लैकबेरी थंब के नाम से भी जाना जाता था। ये प्रॉब्लम स्मार्टफोन के ज़्यादा इस्तेमाल से होती है। इसका आर्थराइटिस या किसी और बीमारी से लेना देना नहीं है।

यदि आप भी दिन के अधिकतर घंटे फोन में मैसेज टाइप करने, न्यूज फीड को स्क्रॉल करने या गेम खेलने में बिताते हैं तो आप भी 'स्मार्टफोन फिंगर' की प्रॉब्लम का शिकार हो सकते हैं। लेकिन इस बात का पता लगाने के लिए इसके लक्षणों को जानना बेहद जरूरी है। 'स्मार्टफ़ोन फिंगर' एक ऐसी प्रॉब्लम है जिसमें इंसान को उंगलियों या अंगूठे में दर्द शुरू हो जाता है। दर्द इसलिए नहीं होता क्योंकि कहीं जोड़ों में दिक्कत है। बल्कि ये दर्द स्मार्टफ़ोन के ज़्यादा इस्तेमाल, बार-बार स्वाइप करने, टेक्स्ट मैसेज भेजने की वजह से होता है। इसमें मांसपेशियों में सूजन या अकड़न आ जाती है। 1-2 उंगलियों में दर्द बना रहता है। जिससे दिनचर्या पर असर पड़ता है। आज हम इससे संबंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारियों को आपके साथ साक्षा कर रहें हैं।

स्मार्टफोन फिंगर के लक्षण

उंगली में सूजनउंगली में अकड़नदर्द होनाउंगली का अटकना या उंगली का झटके से खुलना या बंद होना ये दिक्कत अक्सर 1 या 2 ही उंगलियों में ही होती है

स्मार्टफ़ोन फिंगर से निपटने के घरेलू उपाय

स्मार्टफ़ोन का इस्तेमाल या टाइपिंग केवल 1-2 उंगलियों से न करें3-4 उंगलियों का इस्तेमाल करने की कोशिश करें1 ही उंगली से स्वाइप न करेंउंगलियां बदलते रहें ताकि किसी एक ही उंगली पर ज़्यादा प्रेशर न पड़ेअगर डायबिटीज या थायरॉइड की प्रॉब्लम है तो उसे कंट्रोल में रखेंअगर दर्द से परेशान हैं तो बर्फ़ से सिकाई करेंकुछ दिनों के लिए फ़ोन का इस्तेमाल कम कर दें

इलाज

फ़ोन पर काम करने से बच नहीं सकते। लेकिन सावधानी रखते हुए और बाकी उंगलियों का इस्तेमाल करते हुए इस बीमारी से बचा जा सकता है। जिन लोगों में ये परेशानी सिंपल ट्रीटमेंट जैसे सिकाई और बाकी उंगलियों के इस्तेमाल से नहीं जाती। उनमें मेडिकल ट्रीटमेंट लेना पड़ता है। जिसमें सूजन कम करने की दवाइयां दी जाती हैं। जिस मांसपेशी में सूजन है, उसमें इंजेक्शन भी लगाया जाता है। इस इलाज का इस्तेमाल 100 में से 20 लोगों में ही होता है। वहीं,80 प्रतिशत लोगों में ये बीमारी बर्फ़ की सिकाई करने से ठीक हो जाती है।

पंचायतों को मिला 201 करोड़, महाराज ने आभार जताया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 अगस्त , प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने पंचायतों में सतत विकास के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के तहत उत्तराखंड को 201 करोड़ की धनराशि देने पर केंद्रीय पंचायतीराज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह का आभार जताया है।प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज के विशेष अनुरोध पर केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह द्वारा केंद्र प्रायोजित योजना राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) 2024-25 की वार्षिक कार्ययोजना के तहत उत्तराखंड में पंचायतों में सतत विकास लक्ष्य को हासिल करने के लिए201.22 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत करने पर केंद्रीय पंचायती राज मंत्री का आभार व्यक्त किया है।

स्वीकृत धनराशि अन्तर्गत पंचायतों में 251653 प्रतिभागियों के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण एवं अन्य प्रशिक्षण गतिविधियों हेतु 80.32 करोड़, प्रशिक्षण मॉडयूल, प्रशिक्षण सामग्री, एक्सपोजर विजिट (राज्य के भीतर एवं राज्य के बाहर), पंचायत लर्निंग सेंटर और हैण्ड होल्डिंग स्पोर्ट आदि के लिए 33.01 करोड़, संस्थागत अवसंरचना-एसपीआरसी, 09 मानव संसाधन (यूएनडीपी के माध्यम से), डीपीआरसी-65 तथा बीपीआरसी-96 के लिए 7.38 करोड़, 113 पंचायत भवन तथा 100 अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 46.75 करोड़, योजना प्रबंधन इकाई-4 एसपीएमयू, 39 डीपीएमयू, 190 बीपीएमयू के लिए 6.22 करोड़, 2745 कम्प्यूटर क्रय हेतु 13.72 करोड़, नवोन्मेषी गतिविधियां-03 (बायोडायजेस्टर, एलएमएस, पीएलसी) हेतु 6.52 करोड़, प्रचार-प्रसार के लिए 4.13 करोड़ और योजना प्रबंधन हेतु 3.15 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है।

31 जुलाई 2024 को पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार में आरजीएसए सीईसी बैठक हुई थी जिसमें पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार के सचिव विवेक भारद्वाज, अपर सचिव चंद्रशेखर कुमार, संयुक्त सचिव विकास आनंद और उत्तराखंड के पंचायती राज सचिव चंद्रेश यादव, पंचायत निदेशक निधि यादव, संयुक्त निदेशक राजीव कुमार नाथ त्रिपाठी, अपर निदेशक मनोज तिवारी की मौजूदगी में उत्तराखंड में पंचायतों के सशक्तिकरण के लिए यह धनराशि स्वीकृत की गई।

गैरसैंण में 21 अगस्त से होगा मानसून सत्र

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 अगस्त , भारी बारिश , मौसम की चुनौती और चार धाम यात्रियों की सुरक्षित वापसी में जुटी धामी सरकार ने गैरसैण में सत्र कराने का फैंसला किया है। उत्तराखंड विधानसभा के मानसून सेशन को लेकर आदेश जारी हो गए हैं. आपको बता दें कि मानसून सत्र 21 अगस्त से 23 अगस्त तक गैरसैण के भराड़ीसैंण में किया जाएगा. पिछली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री को विधानसभा सत्र संबंधित फैसले को लेकर अधिकृत किया गया था. जिसके बाद आज संसदीय कार्य मंत्री ने इस संबंध में बयान जारी कर स्पष्ट कर दिया.

गैरसैण में नज़रें यूसीसी पर टिकी

मानसून सत्र की तिथि और स्थान चिन्हित किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया था. 18 जुलाई को हुई कैबिनेट बैठक के दौरान विधानसभा मानसून सत्र आहूत किए जाने पर चर्चा की गई, लेकिन इस दौरान सत्र की तिथि, जगह पर बात नहीं बन सकी थी. जिसके चलते कैबिनेट ने सीएम धामी को इस बाबत अधिकृत किया थी. इसके बाद भी कई दिनों तक स्थितियां स्पष्ट नहीं हो पाई थी. जिस पर विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया था. विपक्ष लगतार सरकार पर गैरसैंण की उपेक्षा का आरोप लगा रहा था.विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर के विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने बताया विधानसभा सचिवालय सत्र आहूत करने को लेकर के पूरी तरह से तैयार है. उन्होंने बताया सरकार के निर्देशों के अनुसार गैरसैंण हो या फिर देहरादून विधानसभा सचिवालय हर परिस्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. उन्होंने बताया अब तक विधानसभा सचिवालय को माननीय विधायकों से तकरीबन 400 से ज्यादा सवाल आ चुके हैं.

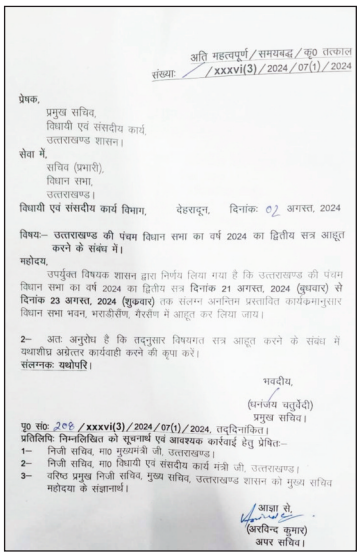

अति महत्वपूर्ण/समयबद्ध/कृ0 तत्काल
संख्याः xxxvi(3)/2024/07(1)/2024

प्रेषक,
प्रमुख सचिव,
विधायी एवं संसदीय कार्य,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,
सचिव (प्रभारी),
विधान सभा,
उत्तराखण्ड।

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग, देहरादून, दिनांक 02 अगस्त, 2024

विषयः- उत्तराखण्ड की पंचम विधान सभा का वर्ष 2024 का द्वितीय सत्र आहूत करने के संबंध में।

महोदय,
उपर्युक्त विषयक शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि उत्तराखण्ड की पंचम विधान सभा का वर्ष 2024 का द्वितीय सत्र दिनांक 21 अगस्त, 2024 (बुधवार) से दिनांक 23 अगस्त, 2024 (शुक्रवार) तक संलग्न अनन्तिम प्रस्तावित कार्यक्रमानुसार विधान सभा भवन, भराड़ीसैंण, गैरसैंण में आहूत कर लिया जाय।

2- अतः अनुरोध है कि तदनुसार विषयगत सत्र आहूत करने के संबंध में यथाशीघ्र अग्रेत्तर कार्यवाही करने की कृपा करें।
संलग्नकः यथोपरि।

भवदीय,
(धनंजय चतुर्वेदी)
प्रमुख सचिव।

पृ0 संः 208/xxxvi(3)/2024/07(1)/2024, तद्दिनांकित।
प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाई हेतु प्रेषितः-
1- निजी सचिव, माo मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
2- निजी सचिव, माo विधायी एवं संसदीय कार्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3- वरिष्ठ प्रमुख निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदया के संज्ञानार्थ।

आज्ञा से,
(अरविन्द कुमार)
अपर सचिव।

केदारनाथ रूट पर 2500 श्रद्धालु रेस्क्यू, दर्शन को गए 16 लोग लापता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ घाटी में भारी बारिश से हुई तबाही के बाद सरकार ने रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया है। केदारनाथ क्षेत्र में फंसे लगभग 2537 यात्रियों को रेस्क्यू किया जा चुका है। एसडीआरएफ के साथ सेना के चिनूक और एमआई-17 हेलीकाप्टर भी बचाव अभियान में जुटे हैं। उधर, केदारनाथ यात्रा मार्ग पर 16 लोगों के लापता होने की सूचना रुद्रप्रयाग एसपी कार्यालय को मिली है। परिजन इन लोगों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, वाईएमएफ, डीडीआरएफ और पुलिस की टीमें रेस्क्यू अभियान में जुटी हैं। लिंचौली व भीमबली में फंसे लोगों को शेरसी पहुंचाया जा रहा है। गौरीकुंड से भी यात्रियों को पगडंडी मार्ग से सोनप्रयाग लाया जा रहा है। गौरीकुंड से सोनप्रयाग के बीच सड़क का लगभग 100 मीटर हिस्सा ध्वस्त हो चुका है। डीएम सौरभ गहरवार और एसपी विशाखा अशोक भदाणे ने बताया कि गुरुवार सुबह सात बजे रेस्क्यू अभियान शुरू हुआ। शाम तक भीमबली के आसपास फंसे 737 यात्रियों को हेलीकाप्टरों से निकाला गया, जबकि 200 यात्रियों को पैदल रास्ते से लाया गया। अभियान में पांच हेलीकाप्टर लगाए गए हैं।

सबसे ज्यादा यात्री गौरीकुंड के पास फंसे हैं। एसडीआरएफ के कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने बताया कि गौरीकुंड से 1700 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब भी मौके पर 1300 से ज्यादा लोग हैं। अलास्का लाइट की मदद से रेस्क्यू अभियान रातभर चलेगा।

एसडीआरएफ के अनुसार केदारनाथ में 1100 से 1400 तक श्रद्धालु, लिंचौली में 95 और भीमबली में लगभग 150 तीर्थयात्री फंसे हैं। उधर, कुमाऊं में भी बारिश से काफी नुकसान हुआ है। मंडल में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

घनसाली में रस्सी के सहारे सौ लोग निकाले

घनसाली-केदारनाथ मोटरमार्ग पर मुयालगांव के समीप पुल के ध्वस्त होने पर एसडीआरएफ ने वैकल्पिक मार्ग तैयार किया है। एसडीआरएफ कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने बताया कि यहां पर रस्सी के सहारे से 100 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। एक बीमार व्यक्ति को स्ट्रेचर से लाकर अस्पताल पहुंचाया गया।

आपदा से उत्तराखंड में अब तक 13 लोगों की मौत

बुधवार रात हुई भारी बारिश से राज्य में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। हरिद्वार में चार, टिहरी में तीन, देहरादून तीन, चमोली, रुद्रप्रयाग और नैनीताल में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

पैदल मार्ग ध्वस्त होने के बाद केदारनाथ यात्रा रोकी

केदारनाथ पैदल मार्ग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुका है। रामबाड़ा के समीप दो पैदल पुल भी बह चुके हैं। वहीं, सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच सड़क का काफी हिस्सा ध्वस्त होने पर सरकार ने अग्रिम आदेश तक केदारनाथ यात्रा रोक दी है

10 परिवारों के विस्थापन का प्रस्ताव भेजा

चमोली। चमोली जिले में आपदा प्रभावित परिवारों के विस्थापन एवं पुनर्वास को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक में पैनगढ गांव के आपदा प्रभावित 10 परिवारों के विस्थापन की संस्तुति के साथ प्रस्ताव शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए गए।ग्राम पैनगढ़ में आपदा प्रभावित 93 परिवारों में से 54 परिवारों का पूर्व में विस्थापन किया जा चुका है। जबकि 10 अन्य परिवारों के विस्थापन हेतु 42.50 लाख का प्रस्ताव का समिति द्वारा संस्तुति के उपरांत शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित एसडीएम को प्रभावित परिवार के पुनर्वास वाले स्थानों पर बिजली, पानी, कनेक्टिविटी सहित अन्य मुलभूत सुविधाएं भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विस्थापन एवं पुनर्वास हेतु प्रत्येक परिवार को 4 लाख भवन निर्माण, 15 हजार गौशाला निर्माण एवं 10 हजार विस्थापन भत्ता सहित 4.25 लाख की धनराशि की संस्तुति की गई। शासन से धनराशि अवमुक्त होने पर प्रभावित परिवारों धनराशि जारी की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

गोपेश्वर में पार्किंग निर्माण को योजना बनाएं

चमोली। जिला मुख्यालय में पार्किंग की समस्या दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। इसके निराकरण लिए प्रशासन पार्किंग निर्माण के लिए जगह तलाशने की शुरुआत की है। बीते दिन गुरुवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने जिला मुख्यालय गोपेश्वर में लीसा बैंड के निकट पार्किंग निर्माण के लिए सर्वे कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने ग्रामीण निर्माण विभाग के माध्यम से संचालित विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वन भूमि हस्तांतरण के लंबित प्रस्तावों का प्राथमिकता पर निस्तारण करते हुए निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा जिले में पार्किंग निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए। गोपेश्वर में लीसा बैंड के निकट पार्किंग निर्माण हेतु सर्वे करते हुए शीघ्र प्रस्ताव तैयार करें। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के निर्माण हेतु जहां पर भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां पर संबंधित एसडीएम से समन्वय करते हुए भूमि चिन्हित की जाय। आपदा मद से प्रस्तावित कार्यों को प्राथमिकता रखें। ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अला दिया ने योजना के तहत कराए गए कार्यों की जानकारी दी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, सहायक अभियंता एलपी भट्ट, जिला शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह, एसीएमओ डॉ अभिषेक गुप्ता, क्रीडा अधिकारी गिरीश कुमार, समाज कल्याण अधिकारी धनंजय लिंगवाल सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

पिंडरघाटी में 40 घंटों के बाद विद्युत आपूर्ति बहाल

चमोली। पिंडर घाटी क्षेत्र में दो दिन पहले हुई भारी बारिश और आंधी तूफान के 33 केवी की लाइन कर्णप्रयाग-नारायणबगड़ के बीच कई स्थानों पर टूटने के कारण 40 घंटों तक बाधित रहने के पश्चात सुचारु कर दी गई है। जबकि कई गावों में अभी तक विद्युत आपूर्ति सुचारू नहीं हो पाई है।पिंडर घाटी क्षेत्र में 31 अगस्त को हुई भारी बारिश और आंधी के कारण कर्णप्रयाग और नारायणबगड़ के बीच नलगांव नर्सरी के समीप पोल के टूटने, लाल मिट्टी के पार पोल के टूटने और नौली के समीप विद्युत लाइन में 10 से अधिक पेड़ों के टूटने के कारण पिंडर घाटी में 40 घंटों तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही। जिस कारण पिंडर घाटी क्षेत्र में लोगों का व्यापार प्रभावित रहा। वहीं नारायणबगड़ क्षेत्र के कफोली और दुर्गापुरी में लाइन टूटने के कारण कई गावों में विद्युत आपूर्ति सुचारू नहीं हो सकी। विद्युत कर्मियों ने बताया जल्द ही समस्त गावों में विद्युत आपूर्ति सुचारू की जायेगी।

ऋषिकेश जाने की झंझट खत्म... नैनीताल में जंगल के बीच यहां मिलेगा रिवर राफ्टिंग का मजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 03 अगस्त : उत्तराखंड के नैनीताल से एडवेंचर स्पोर्ट्स के शौकीन लोगों के लिए एक अच्छी खबर सामने आ रही है. सरोवर नगरी आने वाले पर्यटक अब नैनीताल के आस पास की नदियों में रिवर राफ्टिंग का आनंद भी ले सकेंगे. दरअसल नैनीताल के रामनगर में स्थित कॉर्बेट पार्क आने वाले पर्यटक इन दिनों कोसी नदी में रिवर राफ्टिंग का लुत्फ उठा रहे हैं. इससे पहले राफ्टिंग के लिए उत्तराखंड की योग नगरी ऋषिकेश जाना पड़ता था. लेकिन रामनगर में कॉर्बेट के घने जंगलों के बीच राफ्टिंग कर पर्यटक वाइल्ड लाइफ के दीदार के साथ ही वाटर एडवेंचर का मजा भी ले रहे हैं। मानसून के चलते जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क फिलहाल बंद है.

पार्क के सिर्फ दो जोन झिरना जोन और ढेला पर्यटन जोन में ही जंगल सफारी खुली हुई है. उत्तराखंड में इन दिनों मानसून सीजन चरम पर है. आए दिन पहाड़ों में बारिश देखने को मिल रही है. वहीं रामनगर के कार्बेट नेशनल पार्क से होकर बहने वाली कोसी नदी का जलस्तर भी इन दिनों बढ़ा हुआ है. जिस वजह से रिवर राफ्टिंग के लिए जलस्तर अनुकूल है. ऐसे में पर्यटक प्रकृति के बेहतरीन नजारों के साथ राफ्टिंग का लुत्फ उठा रहे हैं.रामनगर में बहने वाली कोसी नदी का पानी शांत रहता है.

बारिश के बाद नदी के पानी की बहने की तीव्रता और बढ़ जाती है. जो राफ्टिंग के लिए अनुकूल है. वहीं ऋषिकेश के मुकाबले कोसी नदी में की जाने वाली रिवर राफ्टिंग बेहद आसान और सुरक्षित मानी जाती है. कोसी नदी में पानी कम होता है और आसपास पुलिस की भी तैनाती रहती है. और साथ ही नदी में राफ्टिंग की गतिविधियां पेशेवर गाइड की ओर से आयोजित की जा रही है. जो पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं. रामनगर में रिवर राफ्टिंग का समय जून से लेकर अक्टूबर तक मुफीद है।

देहरादून : ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी की छात्रा अंशिका सेमवाल 17.30 लाख के पैकेज पर चयनित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 03 जुलाई : अंशिका सेमवाल का चयन हैदराबाद स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनी जीई वेर्नोवा में सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग स्पेशलिस्ट के पद पर हुआ है, जिसमें उसे 17.30 लाख का प्रारंभिक पैकेज मिला है।अंशिका सेमवाल मूल रूप से नमोली गांव जनपद रुद्रप्रयाग की निवासी हैं और वर्तमान में अपने माता-पिता के साथ रायवाला देहरादून में रहती हैं। उनके पिता मनोज सेमवाल जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी हैं।

अंशिका ने अपनी स्कूलिंग देहरादून, उत्तरकाशी, बड़कोट और रुद्रपुर जैसे विभिन्न स्थानों पर की। इसके बाद उन्होंने ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी देहरादून से कंप्यूटर साइंस में बीटेक की डिग्री प्राप्त की।इस वर्ष 2024 में जनरल इलेक्ट्रिक

डिजिटल कंपनी ने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित कई राउंड के टेस्ट के बाद देशभर के 60 छात्रों का चयन किया जिसमें उत्तराखंड के इंजीनियरिंग कॉलेज से एकमात्र छात्रा अंशिका सेमवाल का चयन हुआ। उनकी इस सफलता से सभी परिजन बेहद खुश हैं और उन्हें सभी लोग बधाई दे रहे हैं।

देहरादून : सहस्त्रधारा में नहाते समय बह गए 3 कांवड़िये, 2 की दर्दनाक मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 03 अगस्त : एसडीआरएफ की टीम ने दो युवकों के शव नदी से बरामद किए हैं। एसओ राजपुर पीडी भट्ट के अनुसार एक शव मालदेवता और दूसरा घटनास्थल से थोड़ी दूरी पर मिला है।राजपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके से आए कई कांवड़िये बीती दोपहर सहस्त्रधारा पहुंचे। करीब तीन बजे जब वे नहा रहे थे, इस समय पानी का बहाव काफी तेज था।

इस दौरान एक कांवड़िये का पैर फिसल गया और वह बहने लगा। उसे बचाने के लिए दो साथी नदी में कूदे लेकिन वे भी तेज बहाव में आ गए। इनमें से एक ने कुछ दूरी पर पत्थर पकड़कर खुद को बचा लिया, जबकि दो दूर तक बहते चले गए। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से पत्थर के सहारे फंसे युवक को निकाला गया और उसे गंभीर हालत में कोरोनेशन अस्पताल में भर्ती कराया गया।इसके बाद बाकी दोनों की

तलाश जारी रही और वे सहस्त्रधारा से काफी आगे जहां नदी चौड़ी हो जाती है और बहाव कम हो जाता है वहां मिले। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान इंद्रपाल पुत्र रामसुख निवासी ई ब्लॉक, सुलतानपुरी दिल्ली और भूपेंद्र सिंह राणा पुत्र लाल सिंह निवासी अमन विहार दिल्ली के रूप में हुई। दोनों साथियों की मौत के बाद बाकी कांवड़ियों में शोक की लहर दौड़ गई। घायल की पहचान मनोज निवासी सुलतानपुरी दिल्ली के रूप में हुई। आईटी पार्क चौकी इंचार्ज ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

बुजुर्ग को टक्कर मारने वाले वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

श्रीनगर गढ़वाल। तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने पर एक वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। श्रीनगर कोतवाली प्रभारी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक होशियार सिंह पंखोली ने बताया कि तहरीर में श्रीनगर निवासी नरेश चन्द खंडूड़ी ने कहा कि बीते 1 जुलाई को करीब 10.30 बजे उनके पिताजी देवेश्वर प्रसाद निवासी श्रीनगर एसबीआई के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर पैदल सड़क पार करते समय वाहन ने टक्कर मारकर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। कोतवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर वाहन चालक कार्तिक बहुगुणा पुत्र दिगंबर निवासी क्यार्क नाला रुद्रप्रयाग के खिलाफ मामला पंजीकृत किया गया है। बताया कि घटना की विवेचना अपर उपनिरीक्षक संजय पुंडीर को सौंपी गई है।

डीएम हिमांशु खुरान अध्यक्षता में हुई जिला पर्यटन विकास समिति (डीटीडीसी) की बैठक

चमोली। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यटन विकास समिति (डीटीडीसी) की बैठक संपन्न हुई। जिसमें नए पर्यटन डेस्टिनेशन के चयन व विकास, विभागीय परिसंपत्तियों के संचालन एवं रखरखाव, पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के विकास को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद स्तर पर गठित समिति का कार्य जिले में पर्यटन स्थलों को विकसित करने के साथ ही प्रबन्धन एवं आय को बढ़ाने के साधन उपलब्ध कराना है। उन्होंने पर्यटन विभाग को निर्देशित किया कि जनपद में संचालित पर्यटक आवास गृह, रेस्टोरेंट, पार्किंग एवं अन्य परिसंपत्तियों से निर्धारित धनराशि को डीटीडीसी में जमा कराया जाए। बूढ़बद्री मंदिर के सौन्दर्यीकरण में स्थानीय आर्किटेक्चर को प्राथमिकता देते हुए पाथवे विकास, लाइटिंग, बैंच, साइनेज के साथ पर्यटकों की सुविधा के लिए पार्किंग और अन्य मूलभूत सुविधाओं को योजना में शामिल करें। डुंग्री रतगांव से ब्रहताल, क्वार बुग्याल, सुपताल-झमताल ट्रैक पर प्राकृतिक संशाधनों से पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं जुटाई जाए। घेष-बगची बुग्याल ट्रैक मार्ग के सुदृढ़ीकरण के लिए बद्रीनाथ वन प्रभाग को धनराशि अवमुक्त की जाए।

जिलाधिकारी ने देवली बगड़ में निर्मित पर्यटक आवास गृह, दुरमी ताल में साहसिक सेंटर, जिलासू में अलकनंदा किनारे निर्मित रेस्टोरेंट तथा मंडल में नवनिर्मित रेस्टोरेंट का रख रखाव करने और पर्यटन अधिकारी को समय समय पर स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान जनपद में पर्यटक स्थलों एवं टैक रूटों में सुविधाएं विकसित करते हुए अधिक से अधिक पर्यटन गतिविधियों का संचालन करने पर चर्चा की गई। बैठक में डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, सीटीओ मामूर जहां, सीओ अमित कुमार सैनी, जिला पर्यटन अधिकारी बृजेंद्र पांडेय, होटल एसोसिएशन के पदाधिकारी आदि मौजूद थे।

सड़क डामरीकरण की मांग को लेकर गैरसैंण में मातृ शक्ति का जोरदार प्रर्दशन

चमोली। गैरसैंण से सटे मैलाणा-छजगाड़-भैसोड़ासैंण-सारकोट सड़क के डामरीकरण की मांग को लेकर मातृ शक्ति ने गैरसैंण नगर में जुलूस निकाला और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। आंदोलनकारियों ने लोनिवि के कार्यालय में प्रदर्शन करते हुए नायब तहसीलदार महेश आर्य के माध्यम से सीएम और लोक निमार्ण मंत्री को ज्ञापन भेजा। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे व्यापार संघ अध्यक्ष सुरेन्द्र बिष्ट ने कहा कि सारकोट और इससे लगे गांव के लोग लंबे समय से सड़क के डामरीकरण की मांग को लेकर आंदोलित है लेकिन सरकार और प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा हुआ है। जिस कारण ग्रामीणों को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ा है। मजबूरी में मातृ शक्ति ने लोनिवि के कार्यालय का घेराव कर विभाग के खिलाफ नारेबाजी की।

वरिष्ठ अधिवक्ता कुलदीप के निधन पर शोक जताया

चमोली। जिला न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता और सहायक शासकीय अधिवक्ता रहे कुलदीप वर्त्वाल के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक छा गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता कुलदीप वर्त्वाल जहां कानून के कुशल जानकार थे। वहीं सामाजिक तौर पर जनता के हितों के लिए संघर्ष करने वाले एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर उनकी पहचान थी।

SSP पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने कांवड़ मेले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 34 सेवादारों को किया सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 03 जुलाई : जनपद के थाना लक्ष्मण झूला क्षेत्रान्तर्गत नीलकंठ महादेव भोले भक्तों की आस्था का प्रतीक है। जहां पर नीलकंठ महादेव मन्दिर दर्शन व जलाभिषेक हेतु लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। नीलकंठ महादेव मंदिर में शिवभक्तों की सहायता हेतु पुलिस का सहयोग कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 34 सेवादारों जिसमें चिकित्सक से लेकर पर्यावरण मित्र तक हैं जो निस्वार्थ सेवा करते हैं को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा उनके कार्यो की सराहना करते हुए बधाई देते हुए चौकी नीलकंठ में प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार जया बलोनी, उप सेनानायक पीटीसी शेखर सुयाल, सहायक सेनानायक अविनाश वर्मा और अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

केदारनाथ बादल फटने से सैलाब में चार युवक बहे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 अगस्त , उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में बादल फटने की घटना में गाजियाबाद के खोड़ा इलाके के रहने वाले 4 युवक लापता हो गए हैं. गाजियाबाद से 5 युवक हरिद्वार के रास्ते केदारनाथ पहुंचे थे, जहां बादल फटने के बाद आए सैलाब में चार युवक बह गए. इन युवकों के साथ गए एक युवक को वहां बचाव टीम द्वारा रेस्क्यू किया गया, जिसने लापता हुए युवकों के परिवार को घटना की सूचना दी है.गाजियाबाद से 5 युवक केदारनाथ के लिए गये थे, जिनमें से 4 युवक बादल फटने की घटना के बाद से लापता है.

युवकों के साथ गए एक युवक सचिन द्वारा यह सूचना लापता युवकों के परिवार को दी गई. जिसके बाद से लापता युवकों के परिवार की हालत बेहद खराब है और किसी अनहोनी की आशंका में उनके परिवार डरे सहमे हुए हैं. मिली जानकारी के अनुसार लापता चार युवको में सुमित शुक्ला, कृष्णा पटेल, मन्नू, चिराग का अभी कोई सुराग नहीं मिला है. लापता युवकों में एक सुमित के माता पिता के अनुसार उन्हें लापता हुए उनके बेटे के साथ गए एक युवक सचिन ने घटना की जानकारी दी कि चारों युवक बादल फटने के बाद तेज बहाव में बह गए. जबकि सूचना देने वाले युवक सचिन को सुबह बचाव टीम द्वारा रेस्क्यू किया गया.लापता सुमित के परिवार के अनुसार उनका बेटा और उसके साथ चार अन्य दोस्त हरिद्वार से जल लाने की बात कह कर गए थे, लेकिन उनके बेटे ने बाद में फोन कर उन्हें बताया कि वह केदारनाथ जा रहे हैं और उन्होंने कार को पार्किंग में खड़ा किया है. लापता सुमित ने जब अंतिम बार अपने मां को फोन किया था तो उसने बताया था कि वह केदारनाथ से 7 किलोमीटर की दूरी पर है और पैदल चढ़ाई कर रहे हैं, जिसके बाद उसका फोन कट गया था. उसके बाद से ही मोबाइल स्विच ऑफ हो गया था. मिली जानकारी के अनुसार हादसे के समय वहां मौजूद एक खच्चर वाले ने हादसे में बचे युवक सचिन का हाथ पकड़ कर उसे बचाया. बाद में रेस्क्यू टीम ने उसे सुबह मैदान इलाके में पहुंचाया.

हत्या के मामले में दो दोषियों को आजीवन कारावास एवं 50 हजार अर्थदंड

अल्मोड़ा । हत्या के एक मामले में अपर सत्र न्यायाधीश रमेश सिंह ने अभियुक्त लक्ष्मण कार्की एवं अभियुक्त झलक कार्की को आजीवन कारावास व 50-50 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना दिनांक 11-03-2022 की शाम 8:00 बजे की है जब मृतक झलक बूढ़ा व उसका साथी अपने कमरे में खाना बना रहे थे उसी बीच अभियुक्त झलक कार्की एवं लक्ष्मण कार्की उसके कमरे में गये और मृतक को गाली गलौज कर उसके साथ मारपीट करने लगे तथा झलक बूढ़ा खेत की ओर भागा तो अभियुक्त लक्ष्मण कार्की ने खेत में मृतक के मुँह और सिर में लोहे के पाइप से मारा जिससे मृतक के मुँह से खून निकलने लगा और वहाँ पर मौजूद लोगों के द्वारा बीच बचाव किया तो अभियुक्त लक्ष्मण कार्की व झलक कार्की मौके से भाग गए और लोहे के पाइप को मौके पर ही छोड़ गए। बेहोश झलक बूढ़ा को मौके पर उपस्थित लोग जिला अस्पताल ले गये जहाँ डॉक्टरों द्वारा उसे सुशीला तिवारी हल्द्वानी रेफर किया गया जहाँ 17 मार्च 2022 को उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। उक्त घटना की रिपोर्ट रणबहादुर कार्की द्वारा थाना कोतवाली अल्मोड़ा में दर्ज कराई गई तथा पुलिस द्वारा अभियुक्तगणों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इस मामले का विचारण अपर सत्र न्यायाधीश अल्मोड़ा के न्यायालय में चला। इस मामले में अभियोजन की ओर से 15 गवाहों को न्यायालय में परीक्षित किया गया तथा अभियोजन की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी पूरन सिंह कैड़ा द्वारा मामले में सबल पैरवी की गई। तथा दस्तावेजी साक्ष्य भी न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। सत्र न्यायाधीश अल्मोड़ा द्वारा पत्रावली पर मौजूद मौखिक व दस्तावेजी साक्ष्यों का परिशीलन कर दोनों अभियुक्तों लक्ष्मण कार्की पुत्र प्रकाश कार्की निवासी डुण्डेश्वर आंचल देलेख नेपाल एवं झलक कार्की पुत्र जसे कार्की निवासी अवल पराजूल आंचल देलेख नेपाल दोनों हाल निवासी दुगालखोला अल्मोड़ा को धारा 320 सपठित धारा 34 ताहि में आजीवन कारावास व 50-50 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया गया तथा धारा-504 ताहि में दोनों अभियुक्तगणों को दोषमुक्त किया गया है।

सीडीओ ने कनालबुंगा में शहद प्रोसेसिंग यूनिट संचालन के दिए निर्देश

अल्मोड़ा(आरएनएस)। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोंडे द्वारा विकासखंड हवालबाग के ग्राम पंचायत कनालबुंगा का भ्रमण किया गया एवं शहद उत्पादन कर रही एनआरएलएम समूह की महिलाओं के साथ चर्चा की गई। शुक्रवार को सीडीओ ने कनालबुंगा में स्वयं सहायता समूह की सदस्य निर्मला फर्त्याल द्वारा किये जा रहे शहद उत्पादन का निरीक्षण किया गया, और शहद का उचित लाभ प्राप्त प्राप्त हो सके इस हेतु शहद प्रोसेसिंग यूनिट संचालन के निर्देश दिए गए, खण्ड विकास अधिकारी हवालबाग द्वारा बताया गया कि शहद प्रोसेसिंग यूनिट के लिये आईएलएसपी योजनान्तर्गत बनाए गए सहकारिता विपणन केंद्र पातलीबगड़ का भवन उपयुक्त है। तद्पश्चात मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उक्त भवन का निरीक्षण किया गया।

संक्षिप्त खबरें

दिन में गर्मी का अहसास रहा कम

हरिद्वार। धर्मनगरी में शुक्रवार को धूप निकली और गर्मी का एहसास कम रहा। अधिकतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस तक घट गया। गुरुवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस था, जो शुक्रवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा था। तापमान में गिरावट के बाद दिन में गर्मी कम रही। दस दिन बाद बीते बुधवार को बारिश के बाद लोगों को गर्मी से राहत मिली थी, हालांकि बारिश के कारण हुए जलभराव से लाखों रुपये का नुकसान भी हुआ था। बारिश के बाद गुरुवार और शुक्रवार को धूप निकली। जिस कारण फिर से गर्मी बढ़ गई।

कांवड़ मेला सकुशल संपन्न, एसएसपी ने मातहत अफसरों से लिया फीडबैक

हरिद्वार। कांवड़ मेला की सकुशल संपन्न कराने के बाद शुक्रवार को एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने मेला ड्यूटी में तैनात पुलिस अफसरों से फीडबैक लिया। मेला कंट्रोल भवन में आयोजित बैठक में कांवड़ मेले में आई समस्याओं और भविष्य में उनके हल पर भी चर्चा की गई।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने कहा कि इस बार मेला हमारे लिए बहुत बड़ी चुनौती थी। सभी लोगों ने अपनी- अपनी जिम्मेदारी के साथ टीम भावना के साथ इस मेले को निर्मित संपन्न करने में अपना अपना योगदान दिया है। इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से ही मेले का सफल आयोजन संभव हो सकता है।

शिवरात्रि पर कांवड़ियों के लिए लगाया भंडारा

हरिद्वार। उछाली आश्रम की ओर से श्री गुरु सेवक निवास में कांवड़ियों के लिए सामूहिक भण्डारा लगाया गया। जिसमें हजारों कांवड़ियों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। आश्रम अध्यक्ष महंत विष्णु दास महाराज ने कहा कि श्रावण मास देवों के देव महादेव को अत्यधिक प्रिय हैं। ऐसे में शिव भक्त श्रद्धालुओं के लिए अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराना भी सनातन धर्मालंबियों के लिए पुण्य का कार्य है। इस मौके पर राघवेंद्र दास, पुनीत दास, तिलक, सुभाष सिंघवानी, रमेश खनेजा आदि शामिल रहे।

ई रिक्शा में 13 सवारी बैठाकर ले जाता दिखा चालक

हरिद्वार।हरिद्वार में ई रिक्शा चालक यातायात नियमों की जमकर अवहेलना कर रहे हैं। शुक्रवार को भी ऋषिकुल चौराहे से एक रिक्शा देवपुरा चौक की ओर जाते दिखा। देवपुरा चौक को जाते इस ई रिक्शा में पांच सवारी तो बाहर से ही लटकी हुई थी जबकि इससे अधिक सवारी ई रिक्शा के अंदर बैठी हुई थी। इतना ही नहीं ई रिक्शा की छत पर भी काफी सामान लादा हुआ था। कुल 13 सवारी लेकर ई रिक्शा जाता दिखा।

उत्तराखंड संस्कृत निदेशालय और परिषद देहरादून में होंगे शिफ्ट

हरिद्वार।उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा निदेशालय और उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा परिषद देहरादून में शिफ्ट किए जा सकते हैं। इस बारे में संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक कुमार ने विद्यालय शिक्षा विभाग के महानिदेशक को पत्र भेजा है।उन्होंने पत्र में उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा निदेशालय तथा परिषद को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के ननूरखेड़ा देहरादून के खाली भवन में स्थानांतरण कराए जाने की कार्यवाही को लेकर बताया है। बताया है कि 30 जनवरी 2023 को संस्कृत शिक्षा एवं विद्यालय शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में सचिवालय में हुई समीक्षा बैठक में संस्कृत शिक्षा निदेशालय एवं परिषद को विद्यालय शिक्षा विभाग के खाली पड़े भवन में शिफ्ट किए जाने का निर्णय लिया गया था।

महिला कल्याण संस्था ने सैनिकों के लिए भेजी राखियां

अल्मोड़ा । महिला कल्याण संस्था द्वारा सीमा में तैनात जवान भाइयों के लिए 3000 राखियां भेजी गई। राखियां कैप्टन अमरिंदर सिंह एवं सूबेदार रमेश कुमार सिंह, सूबेदार मेजर मदन सिंह को सौंपी गई। सैन्य अधिकारियों ने महिलाओं को आश्वस्त किया कि हम आपकी राखियां समय पर सीमा पर पहुंचा देंगे। संस्था की महिलाओं ने कहा राखी का त्यौहार हमें याद दिलाता है कि वहां दूर सरहद पर कोई है जो हर लम्हा खड़े रहकर हमारे देश की हमारे परिवार की और हमारी रक्षा कर रहा है और आज हम उन सभी भारतीय सेना के जवानों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए राखियां भेज रहे हैं।

MBBS को टक्कर देता है यह कोर्स, लाखों में है कमाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 अगस्त , मेहनत करने के साथ सही कोर्स चुनना भी जरूरी है. ऐसे में फार्मासिस्ट (Pharmacist) का पेशा भी महत्वपूर्ण और सम्मानित है. इस फील्ड में स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है. यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो आपको इसके लिए आवश्यक योग्यता, चयन प्रक्रिया, सैलरी और नौकरी के अवसरों के बारे में जानकारी होना जरूरी है.

फार्मासिस्ट बनने की क्या है योग्यता ?

फार्मासिस्ट बनने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं पास है, इसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी या मैथ्स विषय होने चाहिए. इसके बाद आपको बैचलर ऑफ फार्मेसी (B.Pharm) की डिग्री हासिल करनी होगी. यह कोर्स चार साल का होता है. अगर आप अपनी शिक्षा को और आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो आप मास्टर ऑफ फार्मेसी (M.Pharm) भी कर सकते हैं, जो दो साल का कोर्स होता है. फार्मेसी में पीएचडी भी एक विकल्प हो सकता है, जिससे आप शोध और शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं.

कैसे होती है चयन प्रक्रिया?

B.Pharm में प्रवेश के लिए अधिकतम राज्यों और विश्वविद्यालयों द्वारा एंट्रेंस एग्जाम आयोजित किए जाते हैं. कुछ प्रमुख परीक्षाओं में cuet और राज्य स्तरीय परीक्षाएं शामिल हैं. एंट्रेंस एग्जाम के बाद मेरिट लिस्ट के आधार पर काउंसलिंग की जाती है, जिसमें चयनित छात्रों को विभिन्न कॉलेजों में प्रवेश दिया जाता है

कोर्स के बाद कहां कर सकते हैं नौकरी

1. अस्पताल और क्लीनिकः अस्पतालों और क्लीनिकों में फार्मासिस्ट की आवश्यकता होती है, जो मरीजों को सही दवाइयां प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होते हैं.

2. फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीः दवाइयों के उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, और अनुसंधान में काम करने के लिए फार्मासिस्ट की आवश्यकता होती है.

रिटेल फार्मेसीः आप अपनी खुद की मेडिकल स्टोर खोल सकते हैं या किसी रिटेल फार्मेसी में काम कर सकते हैं.

3. रिटेल फार्मेसीः आप अपनी खुद की मेडिकल स्टोर खोल सकते हैं या किसी रिटेल फार्मेसी में काम कर सकते हैं.

4. रेगुलेटरी अफेयर्सः सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों में दवाइयों की रेजिस्ट्रेशन और अन्य रेगुलेटरी कार्यों में भी फार्मासिस्ट की आवश्यकता होती है.

5. शिक्षणः यदि आपको पढ़ाने का शौक है, तो आप फार्मेसी कॉलेज में लेक्चरर या प्रोफेसर के रूप में भी काम कर सकते हैं.

लाखों में होती है सैलरी

फार्मासिस्ट की सैलरी विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है. जैसे कि अनुभव, कार्यक्षेत्र और नौकरी की लोकेशन. एक फ्रेशर फार्मासिस्ट की औसत सैलरी 2.5 लाख से 4 लाख प्रति वर्ष हो सकती है. अनुभव के साथ सैलरी में वृद्धि होती है और एक अनुभवी फार्मासिस्ट की सैलरी 8 लाख से 12 लाख प्रति वर्ष या इससे अधिक भी हो सकती है.

किन महिलाओं को ज़रूरी है टैक्स रिटर्न दाखिल करना ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 अगस्त , क्या गृहिणी को इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करना चाहिए या नहीं? अब इसका जवाब सीधा हां या नहीं है बल्कि समझने योग्य है. कई बार गृहिणियों को विभिन्न स्रोतों से धन प्राप्त होता है. अब यदि अकाउंट में पैसा आ रहा है तो इसका स्रोत महिला को पता होना चाहिए. साथ ही, यह नियमित आ रहा धन, आय माना जाएगा या नहीं, इसके भी नियम हैं. जब हम बात आयकर रिटर्न फाइल करने की करते हैं तो इसका मतलब सरकार को टैक्स चुकाना नहीं हो जाता. किसी भी वित्त वर्ष की समाप्ति पर आयकर रिटर्न फाइल करके आप सरकार या इनकम टैक्स विभाग को यह भी इन्फॉर्म करते हैं कि आप इनकम टैक्स देनदारी के दायरे में नहीं आते. आयकर रिटर्न भरना और इनकम टैक्स जमा करना, दो अलग बाते हैं.

मकान का किराया हाउसवाइफ के खाते मे आता है...

यदि आप हाउसवाइफ हैं तो हो सकता है कि आपके नाम पर मकान का किराया आपके बैंक खाते में आ रहा हो, यह भी हो सकता है कि आपके पति विदेश में रहते हों और वह आपको हर माह एकमुश्त रकम आपके बैंक खाते में भेजते हों. साथ ही, यह भी हो सकता है कि आपको विभिन्न तोहफों के तौर पर बैंक में रकम मिली हो. इस सिचुएशन या ऐसे में क्या आपको इनकम टैक्स रिटर्न भरना होगा, इस पर हमने टैक्स मामलों के जानकार से बात की. महिलाओं और पर्सनल फाइनेंस से जुड़ी ऐसी ही अधिक जानकारी के लिए आप यहां क्लिक कर सकती हैं.

टैक्स मामलों के जानकार कंसल्टेंट का कहना है जब हम कह रहे हैं हाउसवाइफ (या फिर हाउस हज्बंड) तो इसका मतलब है कि उनकी इनकम नहीं है. तो उन्हें आईटीआर फाइल नहीं करने की जरूरत नहीं है. मगर, यदि गृहिणी की कोई इनकम है जो किराए के जरिए (रेंटल इनकम) हो रही है या फिर एफडी या अन्य बैंक सेविंग या स्कीम से प्राप्त ब्याज की आय प्राप्त हो रही है, या फिर महिला ने अपने बचत के पैसे को शेयर बाजार में लगाया है और उन्हें डिविडेंड प्राप्त हुआ है तो हाउसवाइफ को भी आईटीआर भरना होगा.

ग्रे और डायमंड डिवोर्स का आ गए नया ट्रेंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 अगस्त , शादी करना जितना आसान है उसे निभाना उतना ही मुश्किल है। आजकल हर छोटी-छोटी बात पर पति पत्नी आपस में लड़ने झगड़ने लगते हैं, कई बार तो लड़ाई इतनी बढ़ जाती है कि कपल्स तलाक ले लेते हैं। आपने आम तलाक के बारे में तो सुना होगा लेकिन क्या आपने कभी ग्रे और डायमंड डिवोर्स के बारे में सुना है? अगर नहीं तो आज हम आपको इन दोनों के बारे में बताएंगे। इन दिनों अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय के तलाक को लेकर काफी खबरें चल रही हैं। कुछ दिनों पहले अभिषेक बच्चन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लाइक किया जो ग्रे डिवोर्स के ऊपर था। जिसके बाद से ये शब्द काफी ज्यादा ट्रेंड कर रहा है। आइए जानते हैं ग्रे डिवोर्स है क्या।

समय के साथ बदल रही लाइफस्टाइल

Grey Divorce क्या है?

ग्रे डिवोर्स में तलाक शादी के कई सालों बाद लिया जाता है। इस तलाक में दोनों पार्टनर की उम्र करीब 40-50 साल होती है। ग्रे डिवोर्स को अक्सर बालों के सफेद होने से जोड़ा जाता है। वैसे तो ये तलाक पश्चिमी देशों में ज्यादा देखा जाता है लेकिन आजकल भारत में भी ये तलाक देखा जा रहा है। इसे सिल्वर स्प्लिटर्स के नाम से भी जाना जाता है।

Divorce Diamond क्या है?

वहीं दूसरी ओर डिवोर्स डायमंड भी काफी ज्यादा चर्चे में है। इसमें कपल्स एक दूसरे को तलाक देते समय अंगूठी पहनाते हैं। अक्सर आपने देखा होगा कि शादी के समय पार्टनर एक दूसरे को रिंग पहनाते हैं लेकिन अब डायमंड डिवोर्स का नया ट्रेंड आ गया है जिसमें लोग तलाक के समय अंगूठी पहनाते हैं। कुछ समय पहले अभिनेत्री एमिली रताजकोस्की ने ये तलाक लिया था। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें नहीं लगता कि किसी भी महिला को उसे दी हुई डायमंड रिंग इसलिए नहीं पहननी चाहिए क्योंकि वो किसी शख्स से अलग हो रही है। ये तलाक होने के कई कारण हो सकते हैं जैसे एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर, पार्टनर के बीच प्यार और केयर न होना, एक दूसरे को सम्मान न देना।

संक्षिप्त खबरें

डीएम और एसएसपी ने दक्ष मंदिर में जलाभिषेक किया

हरिद्वार। डीएम धीराज सिंह गर्ब्याल और एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने मेला सकुशल संपन्न होने पर हरकी पैड़ी से जल ले जाकर कनखल के दक्ष महादेव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया।शुक्रवार को श्रावण शिवरात्रि पर जलाभिषेक के साथ ही कांवड़ मेला संपन्न हो गया। इस दौरान जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने कहा कि मां गंगा और भगवान शिव की कृपा से कांवड़ मेला सकुशल संपन्न हुआ है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कांवड़ मेले में सवा चार करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। कांवड़ मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन ने बेहतर समन्वय के साथ कार्य किया। स्थानीय लोगों का भी इसमें सहयोग मिला। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि सरकार के निर्देशन में पुलिस और प्रशासन ने चुनौतीपूर्ण कांवड़ मेले को संपन्न कराया।

अगस्तयमुनि में चतुर्थ जिला योगासन चैम्पियनशिप शुरू

रुद्रप्रयाग । रुद्रप्रयाग जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसियेशन द्वारा शुक्रवार को चतुर्थ जिला योगासन चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया। खेल मैदान अगस्त्यमुनि के इण्डोर स्टेडियम में हुई चैम्पियनशिप में जनपद के तीनों ब्लॉकों के 11 विद्यालयों के 115 से अधिक बच्चों ने योग में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उदघाटन करते हुए रुद्रप्रयाग विधायक प्रतिनिधि विक्रम कण्डारी ने कहा कि योग जीवन जीने की कला है। विशिष्ट अतिथि प्रधान संगठन के पूर्व अध्यक्ष विक्रम नेगी ने कहा कि योग शारीरिक व्यायाम, शारीरिक मुद्रा (आसन), ध्यान, सांस लेने की तकनीकों और व्यायाम को जोड़ता है। विशिष्ट अतिथि व्यापार संघ अध्यक्ष त्रिभुवन नेगी ने कहा कि योग हमारे शरीर को निरोग रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिला योगासन एसोसियेशन के जिलाध्यक्ष देवकीनन्दन बमोला ने बताया कि योगासन प्रतियोगिता तीन आयु वर्ग में सब जूनियर 9 से 14 आयु वर्ग, जूनियर वर्ग 14 से 18 वर्ष तथा सीनियर वर्ग 18 वर्ष से अधिक में परम्परागत योगासन एकल वर्ग, कलात्मक योगासन एकल एवं युगल वर्ग तथा तालबद्ध योगासन युगल वर्ग में आयोजित हो रही हैं। सचिव आशीष बर्त्वाल ने बताया कि प्रतियोगिता में जवाहर नवोदय विद्यालय, अतुल मॉडल पब्लिक स्कूल तिलवाड़ा, केन्द्रीय विद्यालय सहित 11 विद्यालयों के आदि विद्यालयों के 115 से अधिक बच्चे प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतियोगिता में शिवदर्शन नेगी मुख्य निर्णायक एवं मीना राणा निर्णायक रहीं। इससे पूर्व अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसियेशन के संरक्षक कृपाल सिंह पंवार ने की तथा संचालन गंगाराम सकलानी ने किया। इस मौके पर पूर्व सांसद प्रतिनिधि श्रीनन्द जमलोकी, देवी प्रसाद गोस्वामी, देवी प्रसाद भट्ट, एसोसियेशन की सह संयोजिका लक्ष्मी शाह, मुख्य सलाहकार चन्द्रसिंह नेगी, कार्यकारिणी सदस्य जितेन्द्र नेगी, सुरेन्द्र रावत, संदीप कुमार सहित विभिन्न विद्यालयों के योग शिक्षक एवं छात्र छात्राएं मौजूद थी।

जलस्तर बढ़ने पर गंगा में फंसे 16 कांवड़िये, पुलिस ने किया रेस्क्यू

हरिद्वार।सिल्ट बढ़ने के कारण गुरुवार को रोकी गई गंगा की धारा में शुक्रवार को जलस्तर बढ़ने पर हरियाणा के 16 कांवड़िए बीच में फंस गए। उन्होंने पिलर पर चढ़कर मदद की गुहार लगाई। जल पुलिस के गोताखोरों और 40 वीं वाहिनी पीएसी के आपदा राहत दल ने बोट से रेस्क्यू कर कांवड़ियों की जान बचा ली। गंगा में सिल्ट बढ़ने से गुरुवार को सिंचाई विभाग ने हरकी पैड़ी जाने वाली जलधारा और गंगनहर को रोक दिया गया था। देररात तक कांवड़िए गंगा के बीच में ही उतरकर जैसे तैसे जल भरते रहे। इस बीच शुक्रवार की सुबह जैसे ही जलस्तर बढ़ा, बीच में घूम रहे कांवड़िए फंस गए।

कांवड़ियों ने पुलिसकर्मियों को दौड़ाया, चौकी प्रभारी का हाथ फ्रैक्चर

हरिद्वार।चंडी देवी मार्ग के आसपास सड़क पर खड़ी गाड़ी हटवा कर जाम खुलवा रहे पुलिसकर्मियों को कांवड़ियों ने डंडे और बेसबॉल लेकर दौड़ा लिया। इस भगदड़ के दौरान चंडीघाट चौकी प्रभारी अशोक रावत के हाथ में फ्रैक्चर आ गया। पुलिस चौकी पर कांवड़ियों के पथराव की सूचना फ्लैश होने पर पुलिस कप्तान प्रमेंद्र डोबाल समेत आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। चौकी प्रभारी अशोक रावत की ओर से अज्ञात कावड़ियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

कारोबारियों का करोड़ों का काम, खुश हुए व्यापारी

हरिद्वार।हरिद्वार में हुए कांवड़ मेले से कारोबारियों को करोड़ों का व्यापार हुआ। मेला अवधि में चार करोड़ से अधिक कांवड़िए गंगा जल लेकर अपने गंतव्यों को रवाना हुए। इससे अच्छा खासा कारोबार हुआ। बाहर से मेला लगाने आए लोगों ने भी अच्छी रकम कमाई।कांवड़ मेले के आखिरी पांच दिन हरिद्वार में सबसे अधिक कारोबार हुआ। व्यापारी नेता अनुज गुप्ता ने बताया कि भीमगोड़ा क्षेत्र में अच्छा खासा काम हुआ। अंतिम के दो दिनों में अच्छा खासा काम हुआ। रेस्टोरेंट स्वामी कमल खड़का ने कहा कि होटल धर्मशालाओं के कमरे फुल रहे। इस दौरान खाने के ढाबे और रेस्टोरेंट पर भी खाना खाने के लिए कांवड़ियों को घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ी।

संपादकीय

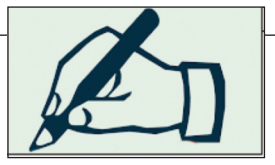

आरक्षण के उप-वर्गीकरण

अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण में ही आरक्षण के उप-वर्गीकरण पर 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का फैसला सामाजिक न्याय के लिए 'मील का पत्थर' साबित हो सकता है। मंडल के बाद यह दूसरा ऐतिहासिक फैसला है। 'मील का पत्थर' तभी साबित हो सकता है, जब क्रीमीलेयर वाला फैसला लागू किया जाएगा। आरक्षण में उप-वर्गीकरण का अधिकार राज्य सरकारों को दिया गया है। यह अभी तक राष्ट्रपति के पास ही सुरक्षित था। संसद में ही प्रस्ताव पारित कर, किसी भी जाति को, आरक्षण के दायरे में लाया जा सकता था अथवा जाति को आरक्षण से बाहर भी किया जा सकता था। बहरहाल वह अधिकार यथावत रहेगा, लेकिन एससी और एसटी अपने आरक्षण के कोटे में, दबी-कुचली, पिछड़ी, विपन्न जातियों का, उप-वर्गीकरण कर सकेंगे। फिलहाल दलित और आदिवासियों को शिक्षा और नौकरियों में क्रमशः 15 फीसदी और 7.5 फीसदी आरक्षण हासिल है। संविधान पीठ के दो कथन महत्वपूर्ण हैं। एक, एससी-एसटी के कोटे में कुछ जातियों का उप-वर्गीकरण करने से संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 341 का उल्लंघन नहीं होता। समानता का सिद्धांत यथावत रहेगा। दूसरे, आरक्षण एक पीढ़ी तक सीमित कर देना चाहिए। यदि पहली पीढ़ी आरक्षण का लाभ लेकर उच्च स्थिति तक पहुंच गई है, तो दूसरी पीढ़ी को आरक्षण का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। जस्टिस बीआर गवई ने एससी-एसटी पर भी, ओबीसी की तरह, 'क्रीमीलेयर' लागू करने की बात कही है। यह विवादास्पद मुद्दा बन सकता है। आरक्षण के आधार पर जो दशकों से राजनीति करते आ रहे हैं अथवा आरक्षण के कारण ही राजस्थान की एक खास जाति में पीढ़ी-दर-पीढ़ी आईएएस अफसर बनते रहे हैं, वे अपने हिस्से को बंटने क्यों देंगे? संविधान-निर्माता बाबा अंबेडकर के पौत्र प्रकाश अंबेडकर ने संविधान पीठ के फैसले की आलोचना की है और इसे 'सामाजिक पूर्वाग्रह' करार दिया है। उनकी आशंका है कि दलितों का कोटा कम होने लगेगा। बहरहाल संविधान पीठ ने कहा है कि सरकार को एससी-एसटी श्रेणी के बीच 'क्रीमीलेयर' की पहचान करने और उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर करने की नीति जरूर तैयार करनी चाहिए। यह अवधारणा भी स्पष्ट होनी चाहिए। ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को आरक्षण उनकी सालाना आय के आधार पर तय किया जाता है। क्रीमीलेयर की सीमा 8 लाख रुपए सालाना है। यानी करीब 67,000 रुपए महीना। यह वर्ग विपन्न कैसे हो सकता है? दूसरी ओर वे भारतीय भी हैं, जो 375 रुपए रोजाना कमाने में भी असमर्थ हैं। बेहतर होता कि क्रीमीलेयर पर भी न्यायिक फैसला सुनाया जाता। बहरहाल फैसले के जोखिम भी सामने आने लगे हैं। पर्याप्त संभावना है कि एससी-एसटी अब एक समूह नहीं रह जाएगा। उनके भीतर ही अलग-अलग वर्ग खड़े हो जाएंगे और फिर उनसे जुड़ी नई राजनीति उबलने लगेगी। केंद्र सरकार में ही एनडीए की सहयोगी लोजपा (रामविलास) ने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, ताकि एससी-एसटी वर्ग में भेदभाव न हो और वे कमजोर न पड़ें।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002

RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com

Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

कांवड़ यात्रा में इक्कीस हजार से अधिक कांवड़िये हुए घायल

हरिद्वार।कांवड़ मेले के दौरान स्वास्थ्य विभाग ने मेला क्षेत्र में कांवड़ियों के लिए 21 अस्थायी स्वास्थ्य शिविर लगाए थे। मेले में दो लाख से अधिक कांवड़ियों का उपचार किया गया। इस दौरान 215 कांवड़ियों को हायर सेंटर रेफर किया गया। विभाग के अनुसार मेले में 21166 कांवड़िए दुर्घटना में घायल हुए। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार एक अगस्त तक सात कांवड़िए की मौत भी हो चुकी है।

पथरी में बंद पड़े मकान में लाखों की चोरी

हरिद्वार।नसीरपुर कलां में चोरों ने एक बंद पड़े मकान को अपना निशाना बना लिया। चोर घर से सोने चांदी के जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर गए। सुबह घर के सदस्य जब घर पहुंचे तो उन्हें मकान का टूटा ताला देख चोरी का पता चला। पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है।घटना गुरुवार रात की बताई जा रही है, जब नसीरपुर कलां निवासी मुस्तकीम पुत्र लतिप अपनी ससुराल में परिवार के सभी सदस्यों को लेकर धनपुरा गए हुए थे। बताया मुस्तकीम की पत्नी की मां उमरा के लिए जा रही।

आने वालों की भीड़ कम हुई

हरिद्वार।हरिद्वार आने वालों की शुक्रवार को कम ही भीड़ नजर आई। इसी कारण आने वाला हाईवे पूरी तरह खाली रहा। हाईवे के दोनों और कांवड़ियों के वाहनों की पार्किंग नजर आए। दोपहर 12 बजे के बाद तेजी से हरिद्वार खाली होना शुरू हो गया था।

कांवड़ मेला क्षेत्र में पहुंचा हाथी, हड़कंप, पुलिस ने किसी तरह संभाले हालात

हरिद्वार।कांवड़ मेले के अंतिम दिन जगजीतपुर में हाथी आने से हड़कंप मच गया। जगजीतपुर में डाक कांवड़ियों की भारी संख्या होने के कारण पुलिस के हाथ पांव फूल गए। किसी तरह पुलिस ने स्थिति संभाली और हाथी का मार्ग क्लीयर किया। इसके बाद डाक कांवड़ियों का काफिला आगे बढ़ा।कांवड़ मेले के आखिरी दिन हरिद्वार में डाक कांवड़ के लाखों वाहन थे। डाक कांवड़ के वाहनों के आने और जाने का रास्ता जगजीतपुर से होकर जा रहा था। वन विभाग ने दावा किया था कि मानव वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए वनकर्मी तैनात हैं लेकिन गुरुवार रात हाथी राजाजी पार्क से होते हुए कांवड़ मेला क्षेत्र जगजीतपुर पहुंच गया।

सावन की शिवरात्रि में शिवालयों में उमड़े शिवभक्त

हरिद्वार।सावन की शिवरात्रि पर हरिद्वार के शिवालयों में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। कनखल के दक्षेश्वर महादेव मंदिर और अन्य शिवालयों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सूर्योदय के साथ ही भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए शिवभक्त शिवालयों में पहुंचने लगे थे।

शिवभक्त बेलपत्र, दूध दही, शहद, भंग धतूरे और गंगाजल से भगवान शिव की पूजा करते दिखे।कनखल, ज्वालापुर, मध्य हरिद्वार, उत्तरी हरिद्वार के शिव मंदिरों में श्रद्धालु सपरिवार पूजा-अर्चना करते दिखे। वहीं कांवड़ यात्रा में हरिद्वार पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी धर्मनगरी के शिवालयों में शिव मंदिर में गंगाजल चढ़ाकर सुख शांति की कामना की। शहर से लेकर गांव देहात तक शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। शुक्रवार देर रात से ही शिवालयों में जलाभिषेक का सिलसिला शुरू हो गया था।

संक्षिप्त खबरें

अंतिम दिन हरकी पैड़ी पर उमड़ा कांवड़ियों का सैलाब

हरिद्वार।कांवड़ मेले के अंतिम दिन लोकल और आसपास के शहरों से आए कांवड़ियों ने कांवड़ उठाई। डाक कांवड़िए अपने बाइकों से रवाना हुए। जाने वालों की भीड़ अंतिम दिन लगी रही। हरिद्वार-दिल्ली हाईवे कांवड़ियों की भीड़ रही। गुरुवार की रात को हरकी पैड़ी पर जल न होने पर शुक्रवार की सुबह कई कांवड़ियों ने जलभरकर अपनी कांवड़ उठाई।

दक्ष मंदिर में कांवड़िओं ने भी चढ़ाया जल

हरिद्वार। दक्ष मंदिर, दरिद्र भंजन मंदिर में श्रद्धालुओं की लम्बी कतार लगी रही। जबकि दक्ष मंदिर काफी संख्या में कांवड़िए भी गंगाजल लेकर पहुंचे हुए थे। लम्बी कतार होने के बाद कांवड़ियों का जोश कम होने का नाम नहीं ले रहा था। जबकि बिल्वकेश्वर महादेव, निलेश्वर महादेव के अतिरिक्त मठ मंदिरों और आश्रमों में भी शिवभक्तों ने पूजा अर्चना की।

पूर्व ग्राम प्रधान पर झोंका फायर, जांच में जुटी पुलिस

हरिद्वार।पथरी थाना क्षेत्र के गांव बहादरपुर जट में पूर्व प्रधान के ऊपर फायर झोंकने का मामला सामने आया है। पीड़ित प्रधान ने पुलिस को दो नामजद सहित छह लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। शुक्रवार को फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर कारतूस के खोखे बरमाद कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। घटना गुरुवार रात की बताई जा रही है. ग्राम बहादरपुर जट निवासी पूर्व ग्राम प्रधान विकास कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि गांव के ही रहने वाले दो सगे भाइयों ने अपने चार साथियों के साथ उनके घर पर आकर उसपर जान से मारने की नीयत से फायर झोंक दिया। गनीमत रही कि प्रधान हमले में बाल बाल बच गया। फायर सीधे दीवार पर लगा।

पथरी में बंद पड़े मकान में लाखों की चोरी

हरिद्वार।नसीरपुर कलां में चोरों ने एक बंद पड़े मकान को अपना निशाना बना लिया। चोर घर से सोने चांदी के जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर गए। सुबह घर के सदस्य जब घर पहुंचे तो उन्हें मकान का टूटा ताला देख चोरी का पता चला। पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है। घटना गुरुवार रात की बताई जा रही है, जब नसीरपुर कलां निवासी मुस्तकीम पुत्र लतिप अपनी ससुराल में परिवार के सभी सदस्यों को लेकर धनपुरा गए हुए थे। बताया मुस्तकीम की पत्नी की मां उमरा के लिए जा रही। जिस कारण घर के सभी सदस्य उसमें शामिल होने के लिये आये थे। घर पर ताला लगा था जिसका फायदा देख अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़ दिया और कमरे में अलमारी से सोने व चांदी के जेवरात व पांच हजार की नगदी पर हाथ साफ कर आसानी से निकल गए। शुक्रवार सुबह जब मुस्तकीम व उसका परिवार घर पंहुचा तो घर का टूटा ताला देख उनके होश उड़ गए।

भीमगोड़ा में पेड़ गिरा, 15 घंटे बिजली गुल

हरिद्वार।भीमगोड़ा कुंड के पास बिजली की लाइन पर पेड़ गिर गया। जिस कारण करीब 15 घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रही। इधर पेड़ को सड़क से दोपहर बाद तक हटाया गया है।गुरुवार की रात को करीब 12 बजे भीमगोड़ा कुंड के पास पेड़ बिजली की लाइन पर गिरा और पेड़ सड़क पर आ गया। डेढ़ बजे बिजली आपूर्ति को बंद किया गया। शुक्रवार को पेड़ काटने के बाद लाइन को ठीक किया गया। जिसके बाद दोपहर साढ़े चार बजे बिजली आपूर्ति शुरू की गई। इस दौरान भीमगोड़ा कुंड से लेकर कालीकमली वाली धर्मशाला तक बिजली आपूर्ति बाधित रही, जबकि गुसाईं गली और अन्य इलाकों में बिजली सुचारू रही। ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता दीपक सैनी ने बताया कि पेड़ गिरने के बाद बिजली बाधित थी, जिसे शुक्रवार दोपहर को सुचारू कर दिया गया था।

शिव की आराधना से पूरी होती हैं सभी मनोकामनाएं

हरिद्वार।भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने श्रावण शिवरात्रि के अवसर पर चरण पादुका मंदिर में शिवलिंग पर दुग्धाभिषेक कर विश्व कल्याण की कामना की। शुक्रवार को मीडिया को जारी बयान में श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि भगवान शिव को सावन का महीना सबसे अधिक प्रिय है। जो भक्त सावन में सच्चे मन से भगवान शिव की उपासना करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। उन्होंने कहा कि संसार के कल्याण के लिए समुद्र मंथन से निकला विष अपने कंठ में धारण करने वाले भगवान शिव अत्यन्त दयालु व कृपालु देव हैं। जो भक्तों की सूक्ष्म आराधना से ही प्रसन्न होकर अपने भक्तों की झोली भर देते हैं। भगवान शिव की आराधना अत्यन्त सरल है। इस मौके पर महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी ने कहा कि संतों जप तप ही राष्ट्र की एकता अखण्डता कायम रखने में सार्थक साबित होता है। इस अवसर पर स्वामी राजगिरी, स्वामी आलोक गिरी, स्वामी रविपुरी, प्रोफेसर सुनील कुमार बत्रा, वैभव शर्मा, अनिल शर्मा आदि मौजूद रहे।

महादेव की आराधना और जलाभिषेक मिलती है सभी पापों से मुक्तिः त्रिवेणी दास

हरिद्वार।तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर के अध्यक्ष महंत त्रिवेणी दास ने कहा कि सावन में सृष्टि की रक्षा के लिए भगवान शंकर ने समुद्र मंथन से निकले विष को ग्रहण कर लिया था। इस विष के प्रभाव को कम करने के लिए सभी देवी-देवताओं ने शिव जी का जल से अभिषेक करना शुरू कर दिया था। कहते हैं तभी से श्रावण महीने में शिवलिंग पर जल चढ़ाने की परंपरा शुरू हो गई। उन्होंने शिवरात्रि के मौके पर जलाभिषेक के बाद कहा कि इसी परंपरा को निभाते हुए सावन महीने में शिवभक्त कांवड़ यात्रा पर जाते हैं और पवित्र स्थानों से गंगाजल लेकर सावन शिवरात्रि पर उस जल से शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। सावन शिवरात्रि के दिन शिव का अभिषेक करना बेहद शुभ माना जाता है। इसलिए इस शिवरात्रि का खास महत्व होता है।

घायल शिवभक्तों के लिए देवदूत बनी हरिद्वार पुलिस, सड़क दुर्घटना में हुए थे घायल

हरिद्वार।डाक कांवड़ के दौरान बहादराबाद में सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल पांच शिवभक्तों को पुलिस ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया। अब पांचों कांवड़िए खतरे से बाहर हैं।

चौकी शांतरशाह के नजदीक गुरुवार रात करीब ग्यारह बजे डाक कांवड़ ले जाते कावड़ियों की दो बाइकें टकरा गई। दुर्घटना में पांच कांवड़ियों को गंभीर चोट लग गई। थानाध्यक्ष खानपुर मनोहर रावत, चौकी प्रभारी शांतरशाह खेमेंद्र गंगवार पुलिस टीम और एसपीओ के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने एंबुलेंस का इंतजार न कर तत्काल थाना मोबाइल वैन और निजी वाहन से उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

राज्य की सड़कों पर एक भी निराश्रित पशु न दिखे : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 अगस्त , राज्य में निराश्रित गोवंशीय पशुओं को गोद लेने वाले लोगो को एक निश्चित मानदेय देने के योजना को जल्द आरम्भ करने की दिशा में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने पशुपालन विभाग इस सम्बन्ध में तत्काल गाइडलाइन्स बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की सड़कों पर एक भी निराश्रित पशु न दिखे इसके लिए प्रशासन व आमजन को मिलजुल कर पूरी संवेदनशीलता व मानवीयता से कार्य करना होगा। सीएस रतूड़ी ने राज्यभर में गोदसदनों के निर्माण के लिए मिसिंग लिंक के माध्यम से जारी 10 करोड़ की धनराशि को उपयोग करने के लिए पंचायती राज्य विभाग को जल्द से जल्द इस सम्बन्ध में वित्तीय मद खोलने का प्रस्ताव वित्त विभाग को प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने गोसदनों व सड़कों में निराश्रित गोवंशीय पशुओं की व्यवस्था व स्थिति की मॉनिटरिंग के लिए एक कमेटी के गठन के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने लोगों व ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों द्वारा पाले जाने वाले गोवंशीय पशुओं की अनिवार्य ईयरटैगिग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं, ताकि आवारा व निराश्रित गोवंशीय के मालिकों की ट्रैरकिंग की जा सके। उन्होंने इस सम्बन्ध में जन जागरूकता बढ़ाने के भी निर्देश दिए हैं। सीएस ने राज्य में निराश्रित गोवंशीय पशुओं के लिए गोसदनों के निर्माण हेतु सीएसआर के माध्यम से भी धन जुटाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने गोसदनों के निर्माण की समीक्षा की

बैठक में उत्तराखण्ड पशु कल्याण बोर्ड ने जानकारी दी कि वर्तमान में में राज्य में कुल पंजीकृत 60 गोसदन हैं। पंजीकृत गोसदनों में शरणागत गोवंशीय पशुओं की संख्या लगभग 14000 है। वर्तमान में निराश्रित पशुओं की संख्या 20687 है। जनपद पौड़ी गढ़वाल में सर्वाधिक 5525 निराश्रित गौवंशीय पशु हैं। ऊधमसिंह नगर में 4955, देहरादून में 2050, नैनीताल में 2155 व टिहरी में 2259 निराश्रित पशु हैं। राज्य में सभी जनपदों में 54 स्थानों पर भूमि चिन्हित कर सड़कों पर विचरण कर रहे निराश्रित गोवंशीय पशुओं को शरण दिए जाने हेतु गोसदनों की स्थापना का कार्य किया जा रहा है। इस काग्र को तीव्रता से कराये जाने हेतु 25 स्थानों पर मिसिंग लिंक के माध्यम से 10 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित है। गोसदनों के निर्माण में जनपद टिहरी में सबसे बेहतरीन कार्य किए गए हैं।

राहत कैंप में प्रभावितों को मुहैया कराया जा रहा पर्याप्त भोजन

नई टिहरी। जिला पूर्ति अधिकारी मनोज कुमार डोभाल ने बताया कि जिले के सभी गोदामों में अगस्त माह तक का राशन पूर्व में ही स्टोर करा दिया गया है। पिंस्वाड़, उरणी, गंगी जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में सितंबर माह तक का राशन रखा गया है। आपदा प्रभावित बूढ़ाकेदार क्षेत्र के जीआईसी विनकखाल में बनाए गए अस्थाई राहत कैंप में प्रभावित ग्रामीणों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।शुक्रवार को डीएसओ मनोज डोभाल ने बताया कि दैवीय आपदा प्रभावित क्षेत्रों में डीएम के निर्देश पर खाद्यान्न की उचित व्यवस्था की गई है। पिंस्वाड़ गांव और कुंडलिया तोक के ग्रामीणों के लिए 25 गैस सिलेंडर भेजे गए हैं। 30 राशन किट बनाकर ग्रामीणों को बांटी जा रही है। इस राशन किट में पांच-पांच किलो आटा और चावल, एक लीटर तेज, एक-एक पाव चाय पत्ती और मसाला, एक-एक किलो दाल और भुना चना, बिस्कुट, माचिस, मोमबत्ती, मैगी और एक पैकेट ओआरएस का रखा गया है। जीआईसी विनकखाल में रोजाना 200 से 300 लोगों को नाश्ता, दिन और रात का भोजन कैटर्स के माध्यम से दिया जा रहा है।

एआई के लाभ और हानि पर सेमिनार में हुई चर्चा

श्रीनगर गढ़वाल। जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान चड़ीगांव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर शुक्रवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रत्येक डीएलएड प्रशिक्षु द्वारा चार्ट, पीपीटी के माध्यम से अपनी विषय वस्तु का प्रस्तुतीकरण दिया गया। सेमिनार में एआई शब्द की उत्पत्ति, विकास ,विभिन्न क्षेत्रों में संभवता एवं सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर विचार प्रस्तुत किए गए। प्रशिक्षुओं द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में जीनोमिक मेडिसिन ,एआई आधारित विभिन्न एप्लीकेशन के उपयोग आदि बिंदुओं को उकेरा गया। कृषि ,कानून व्यवस्था, जलवायु ,शासन व्यवस्था आदि में भी एआई की उपयोगिता के बारे में बताया गया। भविष्य में एआई से संभावित खतरों की संकल्पना के तौर पर डाटा प्राइवेसी, रोजगार ,डीप फेक आदि बिंदुओं पर चिंता जाहिर की गयी।डायट प्राचार्य स्वराज सिंह तोमर ने प्रशिक्षुओं के प्रयास की सराहना करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जीवन में लाभ और हानि पर विस्तार से चर्चा की।इस दौरान प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ तीन छात्रों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित व सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।मौके पर डॉ॰ एन पी उनियाल,डॉ॰ जे एस पुंडीर, नीलिमा शर्मा, डॉ. डीएस लिंगवाल, एमएस कलेठा, विनय किमोठी, संगीता डोभाल, अनुजा, जेएस कठैत आदि उपस्थित रहे।

गढ़वाल विवि में यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीकरण शुरू

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में स्नातक स्तर की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गयी है। एनटीए की ओर से बीते दिनों परीक्षा परिणाम जारी करने के बाद विवि ने छात्रों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। गढ़वाल विवि में 11 अगस्त तक पंजीकरण प्रक्रिया चलेगी। जिसके बाद मेरिट के आधार पर प्रवेश दिए जायेंगे। गढ़वाल विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. महावीर सिंह नेगी ने बताया कि गढ़वाल विवि में यूजी कोर्सों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बताया कि छात्र-छात्राएं 11 अगस्त तक समर्थ पोर्टल पर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। बताया कि गढ़वाल विवि के परिसरों में पंजीकरण के लिए छात्र-छात्राएं https://hnbgucuet.samarth.edu.in और विवि से सम्बद्ध महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले इच्छुक छात्र https://hnbgucuet.samarth.edu.in/college पर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। बताया कि 12 और 13 अगस्त को प्रथम मेरिट लिस्ट जारी कर दी जायेगी। प्रो. नेगी ने बताया कि स्नातकोत्तर और बीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम जल्द घोषित किया जायेगा। बताया कि यूजी में प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होने के बाद पहले बीएड और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जायेगी।

गढ़वाल विवि के हेल्थ सेंटर को मिली ईसीजी मशीन

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विवि में मेडिकल फैसिलिटी में इजाफा हुआ है। गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर स्थित हेल्थ सेंटर को एक ईसीजी मशीन के साथ ही पोर्टेबल आक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध हुआ है। गढ़वाल विवि के डीएसडब्ल्यू प्रो. महावीर सिंह नेगी ने बताया कि मशीन उपलब्ध होने से छात्रों एवं कर्मचारियों को काफी हद तक मदद मिलेगी। बताया कि विवि के हेल्थ सेंटर में रोजाना औसतन 20 से 22 छात्र एवं कर्मचारी अपना चेकअप कराने पहुंचते हैं। कहा कि छात्रों और कर्मचारियों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिले इसके लिए गढ़वाल विवि प्रयास कर रहा है।

बुजुर्ग को टक्कर मारने वाले वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

श्रीनगर गढ़वाल। तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने पर एक वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। श्रीनगर कोतवाली प्रभारी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक होशियार सिंह पंखोली ने बताया कि तहरीर में श्रीनगर निवासी नरेश चन्द खंडूड़ी ने कहा कि बीते 1 जुलाई को करीब 10.30 बजे उनके पिताजी देवेश्वर प्रसाद निवासी श्रीनगर एसबीआई के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर पैदल सड़क पार करते समय वाहन ने टक्कर मारकर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। कोतवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर वाहन चालक कार्तिक बहुगुणा पुत्र दिगंबर निवासी क्यार्क नाला रुद्रप्रयाग के खिलाफ मामला पंजीकृत किया गया है। बताया कि घटना की विवेचना अपर उपनिरीक्षक संजय पुंडीर को सौंपी गई है।

ब्रेस्टफीडिंग के महत्व को समझना होगा : शर्मा

श्रीनगर गढ़वाल। बेस चिकित्सालय श्रीकोट में बाल रोग विभाग के तत्वावधान में विश्व स्तनपान दिवस सप्ताह पर नवजात शिशुओं की माताओं को स्तनपान कराने के बारे में जागरूक किया गया। थीम क्लोजिंग द गैप- ब्रेस्टफीडिंग सपोर्ट फॉर ऑल' पर स्तनपान को प्रोत्साहन देने के लिए व प्रसूताओं को नवजात बच्चों को प्रथम आहार के रूप में मां के दूध के लिए प्रेरित करने के लिए डॉक्टरों द्वारा जानकारी दी गई। बाल रोग विभाग के एचओडी डॉ. सीएम शर्मा ने कहा कि वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग के महत्व के बारे में सबको समझना होगा। मां का दूध नवजात बच्चे के लिए पूरा आहार होता है, इससे बच्चों को जरूरी पोषण मिलता है साथ ही इम्यूनिटी विकसित होती है और पोस्टपार्टम रिकवरी जल्दी होती है और और ब्रेस्ट कैंसर से भी बचाव होता है। बाल रोग विभाग के चिकित्सक डॉ. अशोक शर्मा ने कहा कि स्तनपान शिशु के जन्म के पश्चात एक स्वाभाविक क्रिया है। भारत में अपने शिशुओं का स्तनपान सभी माताऐं कराती हैं लेकिन पहली बार मां बनने वाली माताओं को शुरू में स्तनपान कराने के लिये जागरूकता जरूरी है। स्तनपान के बारे में सही ज्ञान के अभाव में जानकारी न होने के कारण बच्चों में कुपोषण का रोग एवं संक्रमण से दस्त हो जाते हैं। कहा कि स्तनपान से बच्चे के इम्यून सिस्टम को बढ़ावा मिलने, शिशु मृत्यु दर को कम करने के साथ ही सबसे महत्वपूर्ण श्वसन पथ के संक्रमण, मधुमेह, एलर्जी रोगों जैसे संक्रमणों और बचपन में होने वाले ल्यूकेमिया के विकास के जोखिम को कम करता है। विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंकिता गिरी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि मां का दूध छह-आठ महीने तक बच्चे के लिए श्रेष्ठ ही नहीं, जीवन रक्षक भी होता है।

संक्षिप्त खबरें

केदारनाथ मंदिर में दर्शनार्थियों की कमी से पसरा सन्नाटा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग में बादल फटने की घटना के बाद अनेक जगहों पर आवाजाही बंद होने से केदारनाथ यात्रा थम चुकी है। ऐसे में केदारनाथ धाम में भी बाबा केदार के दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या सिमट गई है। शुक्रवार को मंदिर में जो केदारनाथ धाम में स्थानीय लोग, तीर्थपुरोहित है उन्हीं लोगों ने दर्शन किया। यात्रियों की कमी से धाम में सन्नाटा पसर गया है।

प्रधान सहायक का निलंबन वापस लेने को किया कार्यबहिष्कार

नई टिहरी। लोक निर्माण विभाग के मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन ने प्रमुख अभियंता की ओर से प्रधान सहायक को निलंबित किए जाने के विरोध में सुबह 10 से अपराह्न 1 बजे तक कार्यबहिष्कार किया। उन्होंने प्रबंधन तंत्र के खिलाफ नारेबाजी करते हुए निबंलन वापस लेने की मांग की। कहा कि कर्मचारियों को उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देहरादून में मुख्य अभियंता कार्यालय में कार्यरत प्रधान सहायक को बेवजाह निलंबन किया है। उन्होंने कहा कि आपदा के मौसम में कर्मी कड़ी मेहनत से काम कर रहे हैं। लेकिन उच्चाधिकारियों की ओर से की जा रही उत्पीडानात्मक कार्यवाही से कर्मी का मनोबल गिर रहा है। उन्होंने जल्द निलंबन वापस न होने पर बेमियादी आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी। इस मौके पर खंडीय अध्यक्ष सुनीता पंत,धनीराम तलवान, सिद्धा ध्यानी,सोमारी लाल भट्ट, रविंद्र उनियाल, शिव प्रसाद सेमवाल, देवराज, मोहित कुमार, विनय कुमार, अनीशा सजवाण, लक्ष्मी जोशी,आशीष थपलियाल, रविंद्र धनोला, गीताराम चमोली आदि मौजूद थे।

कांग्रेसी बोले घनसाली को केदानाथ की तर्ज पर विशेष पैकेज दिया जाय

नई टिहरी। जनपद के घनसाली क्षेत्र में आई आपदा को लेकर कांग्रेसियों ने कहा कि आपदा में दी जाने वाली राहत राशि के मानकों को बदलने की जरूरत है। वर्तमान में आपदा प्रभावितों को दी जानी वाली राहत राशि नाकाफी है। कहा कि पूरे घनसाली क्षेत्र को आपदाग्रस्त घोषित कर यहां के लिए केदारनाथ की तर्ज पर आपदा के लिए विशेष पैकेज दिया।जिला मुख्यालय के कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश सचिव विजय गुनसोला, प्रदेश प्रवक्ता शांति प्रसाद भट्ट और शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप पंवार ने संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर उन्होंने घनसाली के सभी आपदा प्रभावित क्षेत्रों को दौरा कर रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस को दे दी है। घनसाली क्षेत्र में लगातार आपदाएं आ रही हैं। आपदा के पिछले रिकार्ड को देखते हुए घनसाली को आपदाग्रस्त क्षेत्र घोषित किया जाना चाहिए। आपदा प्रभावित गावों के विस्थापन का सरकार भरोसा तो देती है, लेकिन विस्थापन नहीं किया जाता है। आपदाग्रस्त जखन्याली के ग्रामीणों को पूर्व में विस्थापन का भरोसा देकर भुला दिया गया। दोबारा आपदा आने से यहां पर फिर से विस्थापन की मांग उठ रही है।

आपदा प्रभावित गांवों के पुर्नवास कार्रवाई एक सप्ताह में होगी शुरु

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के बूढ़ाकेदार और जखन्याली में आई दैवीय आपदा क्षेत्र के लोगों को गहरे जख्म दे गई। जिसे वह अभी तक नहीं भूल पाए है। एक ओर अपनों को खोने का गम है, तो वहीं अपने घर से बेदखल होकर राहत शिविरों में रहने के लिए हुए मजबूर लोगों को शीघ्र ही अपने लिए आशियाने की दरकार है। जिला और तहसील प्रशासन ने पीड़ितों को त्वरित सहायता पहुंचाने में तत्परता दिखाई लेकिन आगे प्रभावितों को पुन अपने घरों में लौटने व आपदा से बर्बाद हुए तिनगढ़, तोली व जखन्याली के प्रभावितों के लिए भूमि उपलब्ध कराकर फिर से बसाने की चुनोती है।

क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों के पुर्ननिर्माण को लेकर प्रशासन से कसी कमर

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के आपदा प्रभावित बूढ़ाकेदार और जखन्याली गांव में निजी और सार्वजनिक संपत्तियों के पुनर्निर्माण के लिए प्रशासन जुट गया है। एक ओर से जहां आपदा शिविर में रह रहे प्रभावितों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने में स्थानीय प्रशासन जुटा है। वहीं मुयालगांव में घनसाली तिलवाड़ा यात्रा मार्ग पर वैली ब्रिज का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वैली ब्रिज बनाने को लेकर निर्माण सामग्री भी साइट पर पहुंच चुकी है। इसके साथ ही जखन्याली में विद्युत और जलापूर्ति की व्यवस्था सुचारू हो गई है। साथ ही कृषि विभाग की ओर से ग्रामीणों की कृषि भूमि और खड़ी फसल को हुए नुकसान का सर्वेक्षण कार्य शुरू किया गया है।